# UNIVERSITY NEWS ON 25 JANUARY 2026

NBT

## LU में साल में दो बार होंगे PhD में दाखिले

### बदलेगी प्रवेश प्रक्रिया, विभागीय स्तर पर प्रक्रिया संचालित करने की तैयारी

AI Image

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी दाखिलों की प्रक्रिया बदलने जा रही है। अब साल में दो बार पीएचडी के दाखिले होंगे तो वहीं दाखिले की प्रक्रिया में भी बदलाव होगा। अभी सेंट्रलाइज्ड दाखिले की प्रक्रिया होने के कारण आवेदन फॉर्म जारी करने, प्रवेश परीक्षा कराने में समय लगता है। इसलिए साल में एक बार भी प्रवेश मुश्किल से हो रहे हैं। विवि प्रशासन विभागीय स्तर पर इसकी प्रक्रिया संचालित करने पर विचार कर रहा है। हालांकि इस साल के दाखिले अभी पुरानी प्रक्रिया के तहत ही संचालित किए जाएंगे जिसके आवेदन फॉर्म भी जारी कर दिए गए हैं।

विवि के वीसी प्रो जेपी सैनी की ओर से हाल में हुई बैठक में कहा गया कि पीएचडी के दाखिले की प्रक्रियों की विकेंद्रीकृत करने की जरूरत है। तभी नियमित दाखिले और साल में दो बार पीएचडी के प्रवेश हो सकेंगे। विवि प्रशासन की ओर से अब पीएचडी के ऑर्डिनेंस में बदलाव करने की तैयारी की जा रही है। अभी पीएचडी ऑर्डिनेंस 2023 के तहत दाखिले लिए जा रहे है। लेकिन अब नया ऑर्डिनेंस बनाया जा रहा है। पिछले साल संशोधन के लिए अकैडमिक काउंसिल में मुद्दा रखा गया था जिसमें कॉलेज में यूजी पढ़ाने वाले शिक्षकों को पीएचडी कराने के अधिकार से बाहर करने की बात कही गई थी, लेकिन शिक्षकों के विवाद के बाद इसे कार्यपरिषद में नहीं रखा गया। अब विवि के स्तर पर दोबारा से नया ऑर्डिनेंस तैयार हो रहा है। इसमें पीएचडी के दाखिले की प्रक्रिया बदलने से लेकर कॉलेज के शिक्षकों की पीएचडी कराने को लेकर भी मुद्दा रखा जाएगा।

**डीन की बैठक में होगा निर्णय:** इस मामले में एलयू वीसी प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि पीएचडी ऑर्डिनेंस के लिए डीन की बैठक की जाएगी। इसमें जो भी नियमावली के तहत प्रावधान है उसके तहत संशोधन होगा। उसके बाद ही इसे विवि की अलग अलग बॉडीज में ले जाया जाएगा जहां से पास कर इसे लागू किया जाएगा। विवि में शोधकार्य बेहतर हो इसके लिए जरूरी है कि पीएचडी के दाखिले नियमित व समय से हो सकें।

### शोध में होगा AI का उपयोग

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थी व शिक्षक अब शोध के लिए आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के ट्रस्टेड प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकेंगे। एल्जेवियर की ओर से साइंस डायरेक्ट एआई प्लेटफॉर्म शुरु किया गया जो अब जल्द ही लीप स्पेस के रूप मे शुरू होने जा रहा है। यह विशेष रूप से रिसर्च मे एआई के उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। एलयू व साइंस डायरेक्ट एआई के बीच अनुबंध साइन हुआ है। इसके तहत अब विवि के छात्रों व शिक्षको को इसकी सुविधा मिल सकेगी। एलयू का दावा है कि वह देश का पहला विश्वविद्यालय है जो इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करने जा रहा है।

ऑनरेरी लाइब्रेरियन प्रो. केया पांडेय ने बताया कि किसी को किसी विषय पर शोध करना है तो उससे संबधित क्या क्या शोध हो चुके है यह सब इस प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। खास बात ये है कि इस पर हजारो जर्नल मौजूद है। इसके अलावा साइटेशन और किसी एक्सपेरिमेट से संबधित जानकारी भी इस प्लेटफॉर्म पर हासिल कर सकते है। इससे शोध और ज्यादा बेहतर हो सकेगा और शिक्षक व शोधार्थियो को इससे मदद मिलेगी। रिमोट एक्सेस के माध्यम से शोधार्थी इसे एक्सेस कर सकते है।

**'देता है सही जानकारी':** प्रो. केया ने बताया कि वर्तमान मे जो एआई प्लेटफॉर्म है उनका कटेंट ट्रस्टेड नही है। जनरल प्लेटफॉर्म तो गलत जानकारी दे रहे है। ऐसे मे उनका उपयोग शोध मे नही किया जा सकता। इस प्लेटफॉर्म की खास बात ये है कि इसकी जानकारी ट्रस्टेड है। जो भी सर्च करते है उसका सही रिजल्ट देता है। यह डेटा बेस मे मौजूद शोधो को एआई से फिल्टर कर सुझाव देता है इससे इसका कटेंट ट्रस्टेड है।

HINDUSTAN

## एमए, एमकॉम और एलएलबी का रिजल्ट जारी

**लखनऊ।** एलयू में शैक्षिक सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत चार पाठ्यक्रमों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। इस बाबत परीक्षा नियंत्रक ने पत्र भी जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमए एमआईएच, एमएचए और एमकॉम कॉमर्स तीसरे सेमेस्टर और एलएलबी पांच वर्षीय के नवें सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया है।

## यूपी की विविधता ही सबसे बड़ी शक्तिः अरविंद

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन सभागार में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए प्रदेश की समृद्ध लोक-साहित्य परंपरा, ग्रामीण जीवन और सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया गया। मुख्य अतिथि कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की विविधता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

## ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने को नोडल अधिकारी

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली और पेपरलेस कार्य कराने के लिए नोडल अधिकारी और ईएमडी मैनेजर को नियुक्त किया गया है। इस बाबत कुलसचिव ने आदेश जारी कर दिया है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने बताया कि नोडल अधिकारी अनुपमा सक्सेना और ईएमडी मैनेजर के रूप में मनोज सक्सेना को नियुक्त किया गया है। सभी ने उनको बधाई दी है।

AMAR UJALA

## लविवि ने जारी किया परिणाम

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से एमए, एमएचए और एमकॉम में तीसरे सेमेस्टर का परिणाम शनिवार को जारी कर दिया गया। एलएलबी नौवें सेमेस्टर का भी परिणाम जारी हुआ है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि परिणाम वेबसाइट www.lkouniv.acin पर देखा जा सकता है। (संवाद)

## लविवि में मनाया गया यूपी स्थापना दिवस

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी. सेन सभागार में भव्य, सांस्कृतिक व बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद मोहन मुख्य अतिथि रहे। छात्राओं की ओर से प्रस्तुत कथक नृत्य ने उत्तर प्रदेश की शास्त्रीय नृत्य परंपरा को सजीव रूप दिखाया। साथ ही बारहमासा बिरहा की प्रस्तुति अपर्णा मिश्रा ने दी। (संवाद)

I NEXT

# ई-ऑफिस से पेपरलेस वर्किंग की ओर

### एनवायरमेंट सेफ्टी के लिए एलयू प्रशासन से लिया निर्णय

lucknow@inext.co.in

**LUCKNOW (24 Jan):** एनवायरमेंट सेफ्टी की तरफ कदम बढ़ाते हुए पेपरलेस वर्किंग के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी जल्द ही ई-ऑफिस की शुरुआत करने जा रहा है. जिसके लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति का प्रोसेस चल रहा है. ई-ऑफिस की शुरुआत से एलयू ऑफिसेज में पेपरवर्क में कमी आएगी, जिससे एनवायरमेंट को भी सहेजा जा सकेगा.

### लॉ में एआई की पढ़ाई

लखनऊ यूनिवर्सिटी में अब लॉ के स्टूडेंट्स आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को ऑप्शनल सब्जेक्ट के तौर पर पढ़ सकेंगे. यूनिवर्सिटी की तरफ से बहुत जल्द एआई को लॉ में शामिल किया जाएगा. एआई को लॉ में एड करने का मुख्य उद्देश्य लॉ स्टूडेंट्स को टेक्नोलॉजी के साथ अपग्रेड करना है. इसके साथ ही एआई की हेल्प से डेटा एनालिसिस, फैक्ट चेकिंग की प्रोसेस आसान हो जाती है, जो स्टूडेंट्स के लिए काफी हेल्पफुल रहेगा.

TIMES OF INDIA

## LU admin docus to go digital now

**Lucknow:** Lucknow University is set to implement e-Office system as part of its transition towards digital governance and paperless administration. Traditional physical files will be replaced by an online system of file processing, noting, approvals and official correspondence.

The digital platform is expected to reduce paper consumption while accelerating decision making It will also enable real-time tracking of files, ensuring greater accountability and minimising delays caused by manual handling of documents. Secure digital storage of records will help preserve administrative data and improve access, said LU spokesperson Mukul Srivastava. TNN

DAINIK JAGRAN

## एक अप्रैल से पेपरलेस हो जाएगा लखनऊ विवि

**लखनऊ।** 105 वर्ष पुराना लखनऊ विश्वविद्यालय अब पूरी तरह पेपरलेस होने जा रहा है। एक अप्रैल से विश्वविद्यालय की हर विभागीय फाइल, आदेश और निर्देश डिजिटल माध्यम से संचालित होंगे। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों ने यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के माध्यम से ई-ऑफिस का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

फरवरी और मार्च में सभी फाइलों की कोडिंग के साथ स्कैनिंग कर डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। कुलपति प्रो. जेपी सैनी के निर्देश पर कुलसचिव भावना मिश्रा ने सभी विभागाध्यक्षों को स्पष्ट आदेश जारी कर दिए हैं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद फाइलों में किसी भी तरह की छेड़छाड़ संभव नहीं होगी। यदि कोई कागज गायब भी होता है तो उसका पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन सुरक्षित रहेगा। किस फाइल की जिम्मेदारी किस अधिकारी के पास है, इसकी जानकारी भी ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी।

पेपरलेस प्रणाली लागू होने के बाद विश्वविद्यालय के बजट में सालाना करोड़ों रुपये की बचत होगी। अभी विभिन्न विभागों, प्रशासनिक कार्यालयों और वित्त विभाग में कागज, प्रिंटर और अन्य संसाधनों पर सात से आठ करोड़ रुपये से अधिक का खर्च होता है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी के अनुसार, पेपरलेस व्यवस्था के साथ अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिससे उनकी डिजिटल साक्षरता बढ़ेगी। पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। (संवाद)

AMRIT VICHAR

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स।

## एनसीसी कैडेट्स ने किया पूर्वाभ्यास

**अमृत विचार, लखनऊ :** गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को नेशनल कैडेट कोर की थल सेना, वायु सेना और नौसेना विंग्स ने मिलकर संयुक्त पूर्वाभ्यास किया। पिछले 20 दिनों के कड़े अभ्यास के बाद पूर्वाभ्यास का नेतृत्व 64 बटालियन के एसोसिएट एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. रजनेश यादव ने किया। परेड के दौरान तीनों विंग्स के कैडेट्स ने एक सुर में कदमताल करते हुए 'अनेकता में एकता' के मूल मंत्र को जीवंत कर दिया।

ड्रिल और औपचारिक गतिविधियों की बारीकियों को सुनिश्चित करने में मेजर डॉ. किरण लता डंगवाल (63 बटालियन) और फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य (5 यूपी एयर स्क्वाड्रन) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## लविवि में जीवंत हुई कला परंपरा

■ **अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय में 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव ने प्रदेश की कला, साहित्य और पौराणिक परंपरा को जीवंत किया गया। छात्र-छात्राओं ने कथक के माध्यम से उत्तर प्रदेश की शास्त्रीय नृत्य परंपरा को सजीव किया। लोक संगीत के खंड में अपर्णा मिश्रा द्वारा प्रस्तुत 'बारहमासा' बिरहा ने दर्शकों को ग्रामीण परिवेश और प्रकृति से जोड़ दिया। छात्रों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोक जीवन के विभिन्न संस्कारों जैसे- सोहर, तिलक, जयमाल और विवाह गीतों को एक सुंदर नाटिका के रूप में मंच पर उतारा। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने उत्तर प्रदेश को भारतीय सभ्यता और लोकतांत्रिक मूल्यों का केंद्र बताया। स्थापना दिवस के इस अवसर पर छात्रों के लिए एक ज्ञानवर्धक विवेज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें मृत्युंजय विक्रम सिंह, विशेष यादव और हर्षित उपाध्याय विजेता रहे।

लविवि में हुए कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्रा।

DAINIK JAGRAN

## इंटरनेट मीडिया का अत्यधिक उपयोग घातक है। बच्चों को वह कंटेंट देना चाहिए जो उनकी उम्र और समझ के अनुसार हो। कुछ साइट्स पर सख्त नियम होने चाहिए और गलत सामग्री से बच्चों को बचाया जाना चाहिए। सोशल मीडिया सीखने और जानकारी के लिए होना चाहिए, न कि दिखावे के लिए।

-डा. अर्चना शुक्ला, मनोविज्ञानी, लवि